an>

Ttile: Need to expedite Maksi-Godhra and Chota Udaipur – Dhar railway line projects -laid.

श्री छतरसिंह दरबार (धार): मध्य प्रदेश में मेरे आदिवासी बहुल संसदीय क्षेत्र धार के अंतर्गत मक्सी-गोधरा वाया इंदौर, धार, झाबुआ एवं दाहोद तक 316 कि.मी. लंबी रेल लाइन वर्ष 1988-89 में स्वीकृत हुई थी । इंदौर से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र जो धार जिले में है तथा इस रेल लाइन की दूरी 31.78 कि.मी. है । इसके लिए धार जिले की सीमा तक जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है तथा इंदौर से टीही ग्राम स्टेशन तक जो कि पीथमपुर से 3 कि.मी. दूर है, तक रेल लाइन डाल दी गई है । धार तथा सरदारपुर तहसीलों में 86.29 कि.मी. भूमि का अधिग्रहण किया जाना है । जिसमें से अभी कुल 26.79 कि.मी. जमीन का अधिग्रहण हुआ है तथा शेष भूमि के लिए जिला प्रशासन को रेलवे से जमीन का रेखांकन प्राप्त नहीं हुआ है । झाबुआ जिले में प्रभावित रेलमार्ग की लम्बाई 60.70 कि.मी. है । इसमें से मात्र 11.34 कि.मी. भूमि का अधिग्रहण हो चुका है । छोटा उदयपुर-धार इस क्षेत्र की दूसरी स्वीकृत परियोजना है । इस परियोजना की नींव तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी ने रखी थी । तमाम प्रयासों के बावजूद इस परियोजना के बारे में रेलवे से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है । इन रेल परियोजनाओं के संबंध में सरकार से मेरा आग्रह है कि इन्हें पूरा करने हेतु तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं जिससे धार-झाबुआ एवं अलिराजपुर जिलों के आदिवासी लोग अपने क्षेत्र में रेल आवागमन देख सकें ।